

जिगर का माउथ-ऑर्गन



विलियम, हिंदी : विदूषक



जिगर का माउथ-ऑर्गन



विलियम, हिंदी : विदूषक



एक दिन सुबह जिगर सड़क पर जा रहा था. तब उसे सड़क पर एक माउथ-ऑर्गन पड़ा मिला. माउथ-ऑर्गन आगे जा रही कचरे की गाड़ी से सीधा जिगर के सामने आकर गिरा.

कचरे के इस आइटम ने जिगर की सारी ज़िन्दगी बदल डाली.



जिगर ने माउथ-ऑर्गन को घर पर साबुन और पुराने टूथब्रश से खूब रगड़-रगड़ कर धोया और साफ़ किया। फिर उसे जो भी खाली समय मिलता, वो उसमें माउथ-ऑर्गन बजाने का अभ्यास करता। अक्सर वो बारिश में चलते-चलते भी माउथ-ऑर्गन में से आवाज़ फूंकने या खींचने का अभ्यास करता था। वैसे जिगर प्राकृतिक रूप से, एक होनहार संगीतकार था।

फिर जून की गर्मियों में एक दिन जब पूरा परिवार डाइंग रूम में आराम कर रहा था तब जिगर ने अपना माउथ-ऑर्गन निकाला और एक प्यारी संगीत की धुन बजाई. "वाह! जिगर!" उसकी बहन ने कहा. "कमाल है जिगर!" माँ चिल्लाई.

पिताजी को भी माउथ-ऑर्गन पर बजाई जिगर की धुन बेहद पसंद आई.





पर अगले ही क्षण पूरा परिवार गहरी नींद में सो गया! उसके बाद जहाँ कहीं भी जिगर ने अपना माउथ-ऑर्गन बजाया, उसको वही नतीजे मिले. जिगर के माउथ-ऑर्गन को सुनने के बाद लोग गहरी नींद में सो जाते थे.



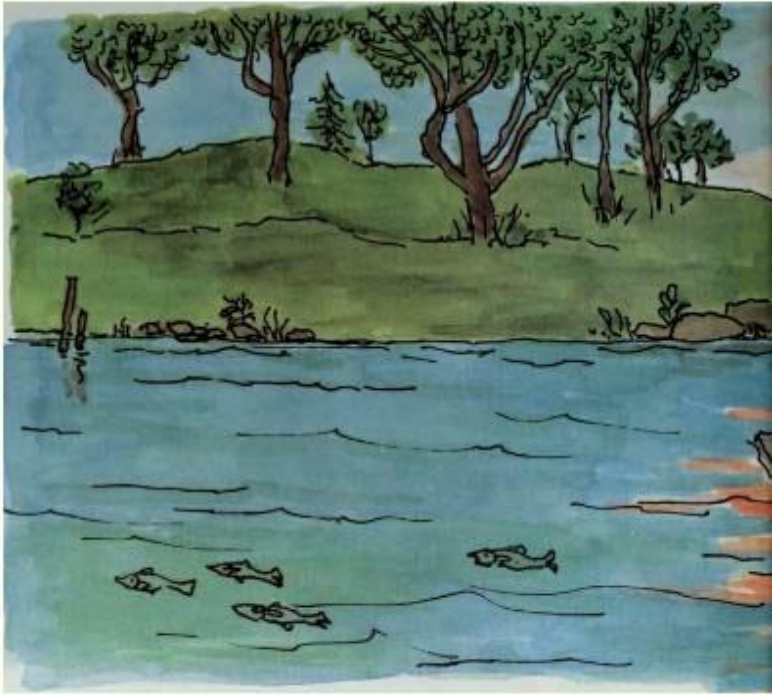
जिगर के पिताजी सोते हुए खर्राटे ले रहे थे. जिगर को यह देखकर बड़ा धक्का लगा. “क्यों यह वाकई में मेरा असली परिवार है? क्या परिवार वाले मुझसे प्रेम करने का ढोंग करते हैं. “इन लोगों के साथ अब मेरे लिए रहना, नामुमकिन होगा?”



जिगर संगीत रचे और लोग सोयें - ऐसी बेईज्जती जिगर के बर्दाश्त के बाहर थी. इसलिए एक रात उसने चुपके से दो सूटकेसों में बहुत सारा खाने का सामान भरा. शाम के समय उसने एक जेब में अपना माउथ-ऑर्गन और दूसरी जेब में कुछ पैसे रखे. फिर वो चुपचाप घर छोड़कर निकला.

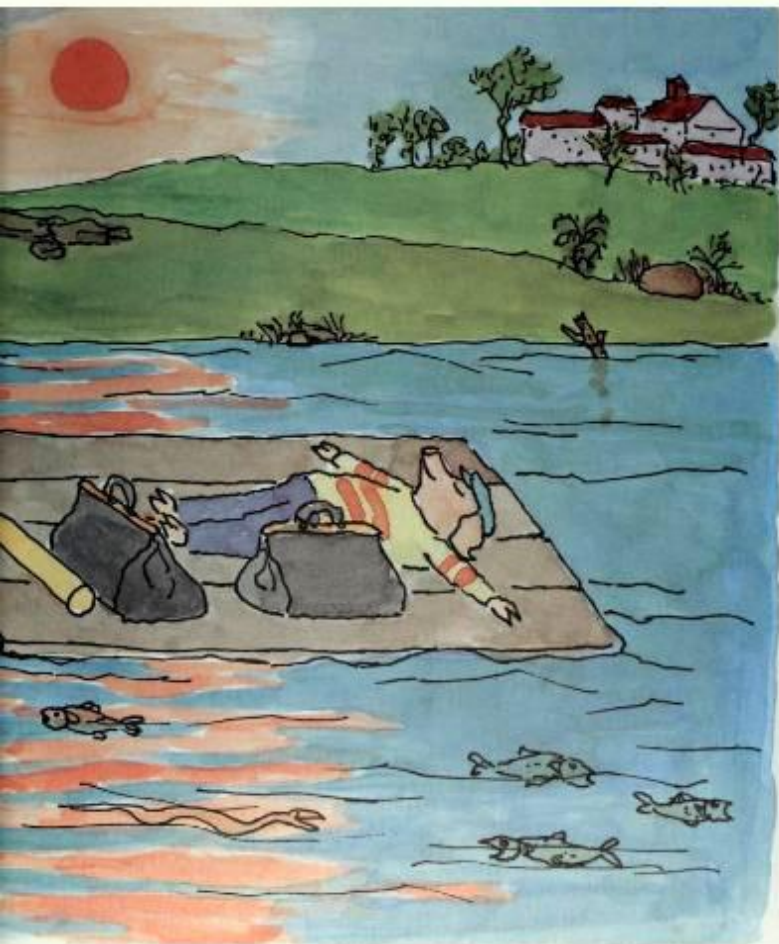


जिगर अपने सामान को ढोकर नदी के किनारे अपनी “निजी” झाड़ियों में ले गया. वहाँ उसने लकड़ी के फट्टों को बांधकर एक तैरने वाला बेड़ा बनाया था. उसने बेड़े को नदी में डाला. जब उसने बेड़े को तैरते हुए देखा तो उसे बहुत अच्छा लगा. उसके बाद उसने बेड़े में अपना सामान लादा और फिर अपनी यात्रा शुरू की.



उसका बेड़ा तैरता हुआ धीरे-धीरे आगे बढ़ा. जब सुबह हुई तो एक स्वतंत्र जिगर नदी में अकेला घूम रहा था. उसके ऊपर आसमान, और नीचे पानी था. कभी उसका बेड़ा आगे जाता, कभी पीछे और कभी नदी में गोल-गोल चक्कर लगाता.

कुछ देर बाद जिगर ने पेट भरकर सैंडविच खाईं. बाद में उसने कुछ देर माउथ-ऑर्गन पर अभ्यास किया.



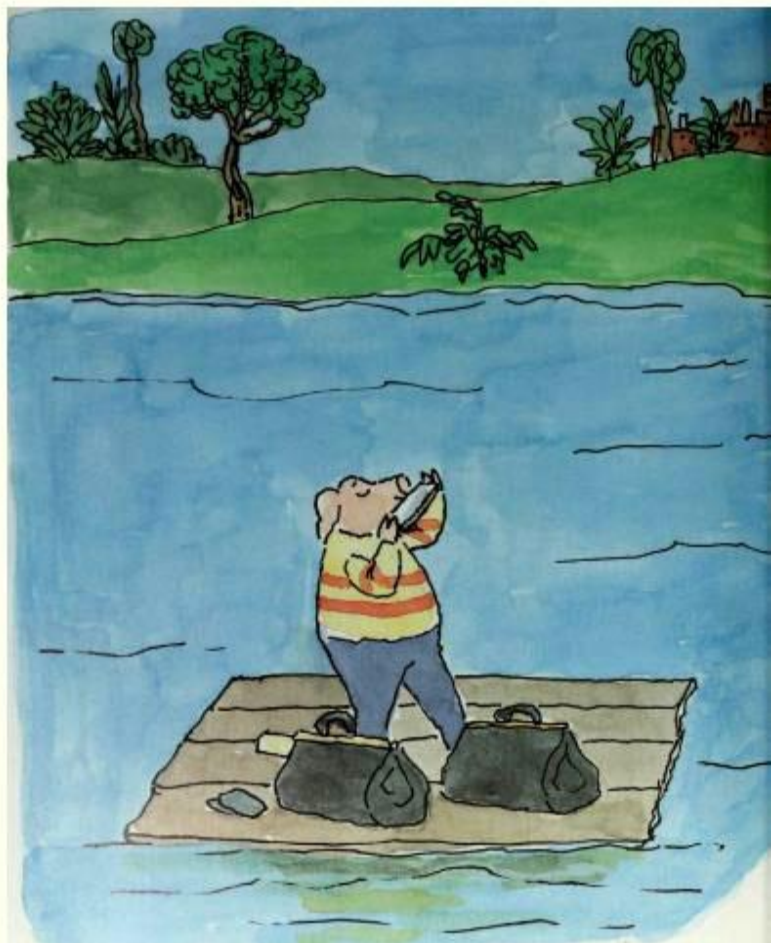


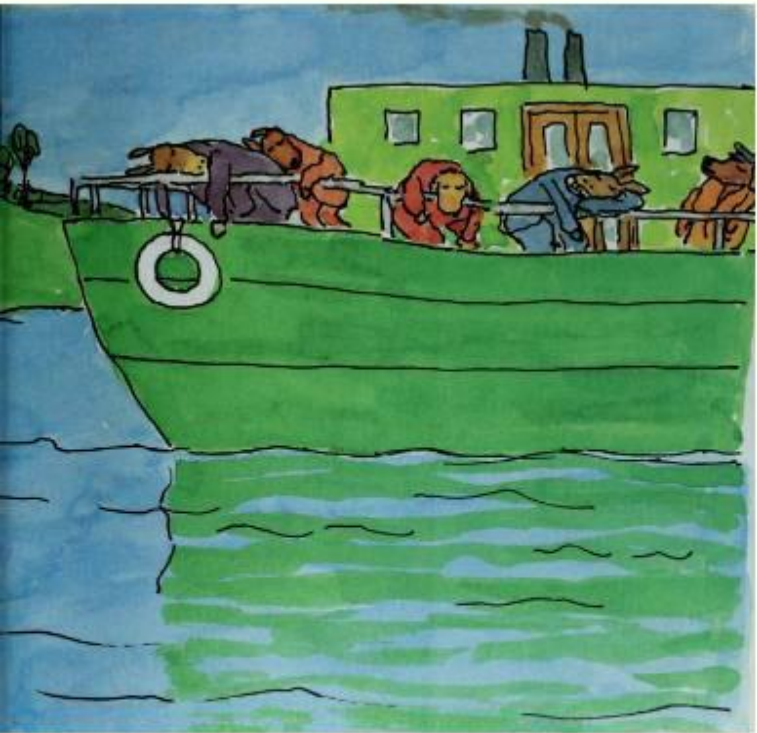
पेट पूरी तरह भरा होने के कारण जिगर को नींद आ गई. जब उसकी आँख खुली तो बेड़े पर उसके साथ एक सफ़ेद बगुला भी मौजूद था. जिगर ने अपने मेहमान के स्वागत में माउथ-ऑर्गन बजाया.

आप अंदाज़ लगाएं क्या हुआ? संगीत सुनकर बगुला गहरी नींद में सो गया. बिल्कुल जिगर के परिवार जैसे.



अच्छा! फिर जिगर ने वादययंत्र को बहुत गौर से देखा. माउथ-ऑर्गन पर कोई लेबल नहीं चिपका था. तो वो कोई अजीबो-गरीब जादुई माउथ-ऑर्गन था, जो उस कचरे की गाड़ी में से गिरा था.





फिर जिगर को मुसाफिरों से लदी एक टूरिस्ट नाव दिखाई दी. उसे उनके साथ एक प्रयोग करने का मौका मिला. जिगर ने माउथ-ऑर्गन पर एक जोशीले लोकगीत की धुन बजाई. और जैसी उम्मीद थी, उस धुन को सुनकर पहले तो सारे मुसाफिरों ने तालियाँ बजाईं और फिर वे सभी सो गए.

अब इसमें कोई दो राय नहीं थी - जिगर एक सुपर जादुई माउथ-ऑर्गन का मालिक था.



जब जिगर उस कचरे के बारे में सोच रहा था, तभी उसे नींद में एक सपना आया. सपने में उसके माता-पिता, उसके भाई-बहन सभी ज़ार-ज़ार रो रहे थे. उन्हें बड़ी बेहद फ़िक्र थी कि उनके प्रिय जिगर का आखिर क्या हुआ. “अगर मुझे अपनी आँख का तारा जल्दी नहीं दिखा,” माँ ने रोते हुए कहा, “तब मैं खुद को गोली मार लूंगी!”

उठने के बाद जिगर भी रोने लगा. अपने परिवार को इतना दुःख पहुँचाने का उसे बेहद गम था. उसने जल्द-से-जल्द उनका दुःख हल्का करने की ठानी, और मनमूटाव कम करने की सोची. क्योंकि बेड़ा पानी के बहाव की उल्टी दिशा में नहीं तैर सकता था, इसलिए उसने पैदल घर जाने की सोची.



सूरज अब ढल रहा था. जिगर ने मुश्किल से नदी के किनारे अपना सामान उतारा. फिर उसने सूटकेस खोलकर कुछ मीठा खाने की सोची.

“ज़रा धीरे खाओ, दोस्त, हम तुम्हारी मदद के लिए आ रहे हैं,” एक कुत्ते ने कहा. और तभी तीन हड़े-कड़े कुत्ते पानी में दौड़े-दौड़े आए.



“आप तीनों का मेरी मदद के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया,” जिगर ने कुत्तों से कहा.

पर एक बार जब वो नदी से ज़मीन पर पहुंचे तब कुत्तों ने जिगर का सामान टटोलना शुरू किया. “देखो, यहाँ तो स्वादिष्ट नारियल के बिस्कुट हैं!”

“सामान से दूर रहो,” जिगर ने उन्हें डांटते हुए कहा. “देखो यह मेरा सामान है!”

“हा! हा! तुम्हारा सामान,” एक कुत्ते ने जिगर का मज़ाक उड़ाते हुए कहा.

“यह देखो माउथ-ऑर्गन,” दूसरे कुत्ते ने जिगर से माउथऑर्गन निकालते हुए कहा.

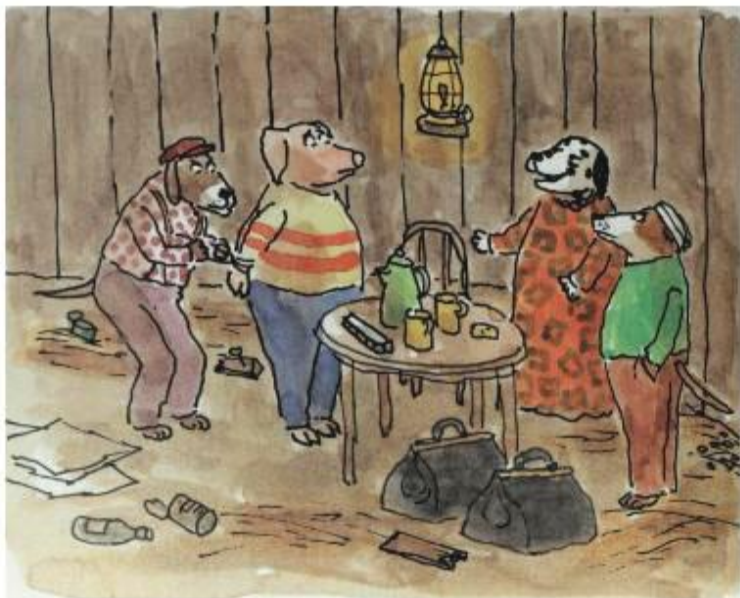


“पैसे!” तीसरे ने जिगर की दूसरी जेब टटोलते हुए कहा.

“देखो, ज़रा तमीज़ से पेश आओ,” जिगर ने उन बदमाशों से विनती की. “बाकी सब कुछ तुम चाहो तो रख लो. सिर्फ मेरा माउथ-ऑर्गन मुझे वापिस कर दो.”

“अपनी जुबान पर ताला लगाकर रखो,” कुत्तों के लीडर ने चिल्लाते हुए कहा, “अगर तुम अपनी शामत चाहते हो तो बिल्कुल चुप रहो.”

उसके बाद कुत्ते जिगर को एक टूटी-फूटी झोपड़ी में ले गए, जहाँ उन्होंने उसके दोनों हाथ पीठ के पीछे बाँध दिए. फिर वे जिगर को जान से मारने के बारे में बातें करने लगे.



“इसे नदी में डुबो देते हैं,” उनमें से एक कुत्ते ने कहा.

“हम उसे आग में भनेंगे,” दूसरे ने कहा. “तब हमें बहुत स्वादिष्ट मांस खाने को मिलेगा.”

“नहीं वो बहुत मोटा है,” अंत में लीडर ने कहा. “हम उसे बाँधकर यहीं मरने के लिए छोड़ देंगे.”

“चलो चलते-चलते एक विदाई का गीत गाते हैं,” दूसरे कुत्ते ने कहा. फिर उसने माउथ-ऑर्गन को अपने मुंह से लगाया. पर उससे कुछ बेसुरे सुर ही बाहर निकले.

“बंद करो यह बकवास!” उनका लीडर चिल्लाया.



“अगर आप मेरे हाथ खोल दें तो मैं आपको माउथ-ऑर्गन बजाकर दिखाऊँगा,” जिगर ने उनसे कहा.

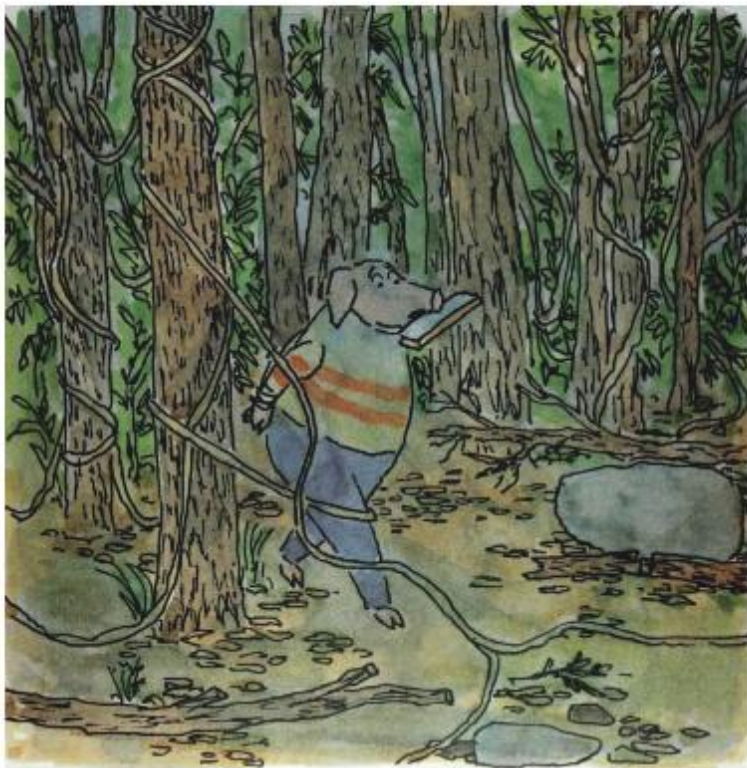
“हम तुम्हारे हाथ बिल्कुल नहीं खोलेंगे,” कुत्तों के लीडर ने कहा.

“अच्छा अगर आप मेरे हाथ नहीं खोलें तो सिर्फ माउथ-ऑर्गन को मेरे मुंह से लगाकर रखें,” जिगर ने विनती की.

फिर उनमें से एक कुत्ते ने माउथ-ऑर्गन को जिगर के मुंह से सटाकर रखा. जिगर ने माउथ-ऑर्गन बजाना शुरू किया. और जैसी जिगर को उम्मीद थी उन तीनों बदमाशों को नौद आ गई. जब तीनों कुत्ते ज़मीन पर खर्राटे भरने लगे, तब जिगर माउथ-ऑर्गन को अपने मुंह में पकड़े उस झोपड़ी से बाहर निकला.



उसने उन बदमाशों को बड़ी चतुराई से अच्छा चकमा दिया था. झोपड़ी से निकलकर वो एक पगडंडी पर अपने घर की ओर चला.



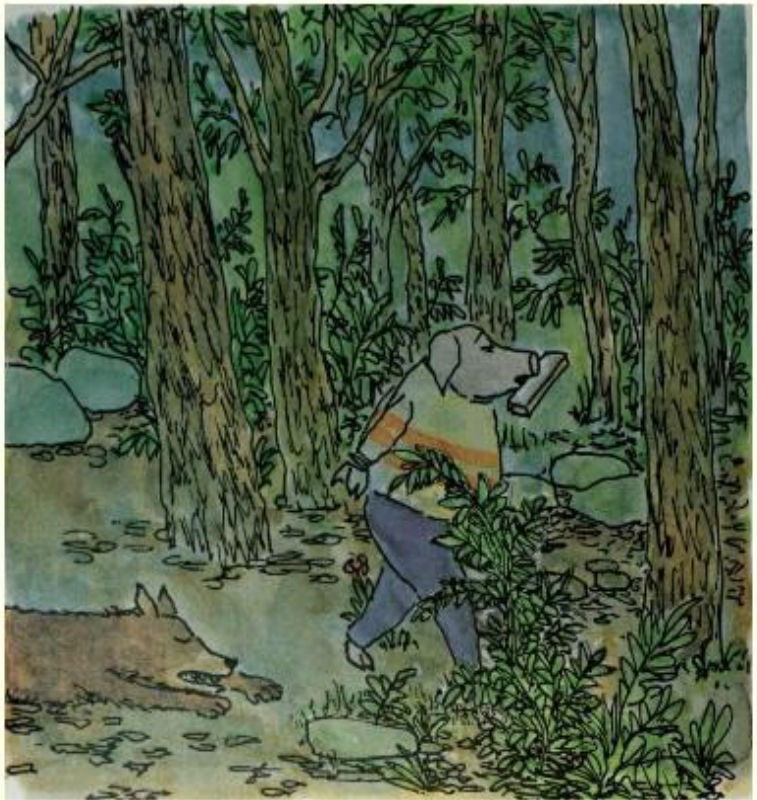
अब रात हो गई थी पर आसमान में चमकता आधा चाँद जंगल के पेड़ों और झाड़ियों में से उसे रास्ता दिखा रहा था. उसके आसपास एकदम सन्नाटा था. यहाँ तक कि पेड़ों के पत्ते भी सो रहे थे.

तभी सन्नाटे में से उसे किसी की डरावनी चीख सुनाई दी



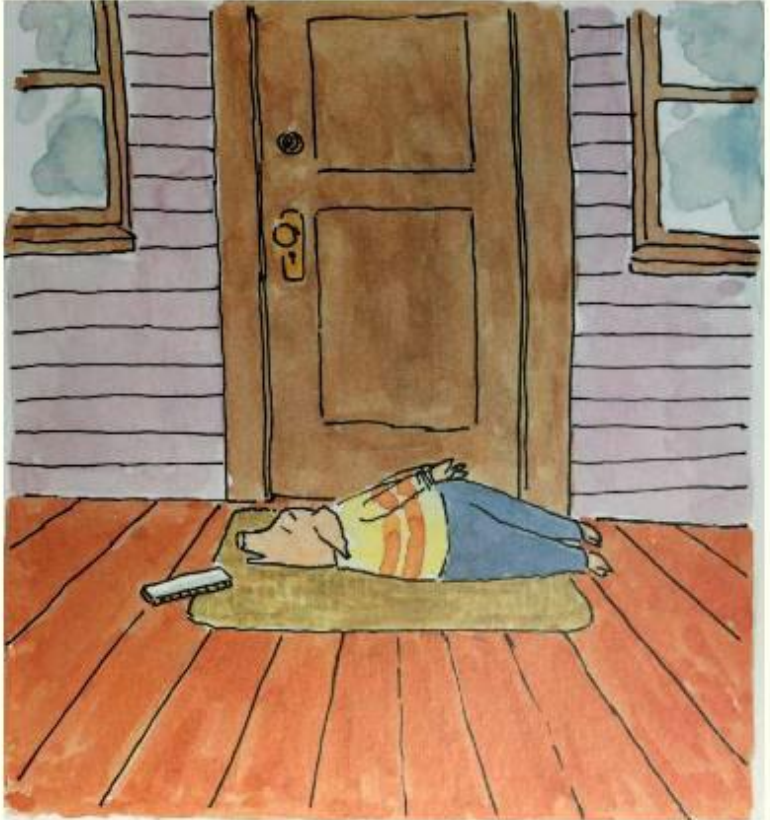
दो सेकंड बाद एक जंगली भेड़िये ने उसे आकर दबोचा. जिगर इतना डर गया कि उसकी सांस ही बंद हो गई. पर जैसे ही भेड़िये के पंजे उसके शरीर में घुसे उसने माउथ-ऑर्गन पर एक गीत की पहली पंक्ति बजाई : *“मुझे मेरे घर का रास्ता दिखाओ.”*





उसके बाद वो भेड़िया ज़मीन पर चित्त लेट गया और उसका चिल्लाना बंद हो गया. पर उसके बाद भी जिगर कुछ मिनटों तक अपना माउथ-ऑर्गन बजाता रहा. वो सुनिश्चित करना चाहता था कि वो मांसाहारी जीव गहरी नींद में सोए. उसके बाद जिगर तेज़ी से अपने घर की ओर बढ़ा.

जिगर आधी नींद में था और वो रात भर सोया नहीं था. न मालूम कैसे करके वो रास्ता खोजते हुए अपने घर वापिस पहुंचा. उसने पाएदान पर अपने पैर साफ़ किए, फिर अपनी नाक से दरवाज़े की घंटी बजाई. उसके बाद वो वहीं बेहोश होकर गिर पड़ा.





जिगर की माँ ने दरवाज़ा खोला. “पापा!” वो चिल्लाई. “हमारा बेटा वापिस आ गया है! क्या आप मेरी बात सुन रहे हैं?”

“जिगर! मेरे बेटे!” पिताजी रोते हुए बाहर आए. “घर में तुम्हारा स्वागत है!”

जिगर के पिता ने उसे पलंग पर जाकर लिटाया. वहां उसे कम्बल उढ़ाया गया. फिर सबने आकर जिगर को पुच्छियाँ दीं. फिर उन्होंने पूरे दिनभर उसकी दुखभरी कहानी सुनी. (जो तुम्हें पहले से ही पता है.)

कुछ ही दिनों में जिगर शहर का लाड़ला बना, और शहर के मेयर से भी ज्यादा मशहूर बन गया. बहुत से माँ-बाप उसे गले लगाते. वो उसके एहसानमंद थे क्योंकि वो उनके बच्चों को माउथ-ऑर्गन बजाकर सुला देता था. शहर के सबसे बड़े अस्पताल में मरीज़ सोने के लिए नौद की गोलियां खाने की बजाए जिगर का माउथ-ऑर्गन सुनना ज्यादा पसंद करते थे.



अगले जन्मदिन पर जिगर के माता-पिता ने उसे एक सामान्य माउथ-ऑर्गन भेंट किया. जिगर अक्सर संगीत महफिलों में उसे बजाता था और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करता था.



जहाँ तक कचरे वाले माउथ-ऑर्गन का सवाल था, उसे जिगर हमेशा अपनी जेब में साथ रखता था. जिगर को उस माउथ-ऑर्गन के बिना बहुत अकेला लगता था.

